>

Title : Need to construct and refurbish bathing ghats at the bank of river Ganga in Allahabad.

श्री कपिल मुनि करवारिया (फूलपुर): इलाहाबाद प्रयाग में प्रतिवर्ष लगने वाले माघ मेले एवं वर्ष 2013 में लगने वाले कुंभ मेले में करोड़ों श्रद्धालु देश विदेश से यहां आते हैं और संगम स्नान कर पुण्य लाभ कमाते हैं। संगम तट व इसके आसपास बाढ़ के फलस्वरूप बडी-बड़ी खाइयां बन जाती हैं, जिससे स्नानार्थियों को असुविधा होती है तथा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। धार्मिक व सांस्कृतिक तथा अध्यात्मिक दृष्टि से गंगा यमुना के केन्द्र संगम का अत्यंत महत्व है, लेकिन संगम क्षेत्र की उपेक्षा के कारण इस क्षेत्र का समुचित विकास नहीं हो सका है जबकि वाराणसी व हरिद्वार में गंगा तटों पर पक्के स्नान घाटों का निर्माण कार्य कराया गया है।

अतः सरकार से अनुरोध करता हूं कि वाराणसी व हरिद्वार (हरि की पौड़ी) की तरह इलाहाबाद में संगम तट सहित दारागंज एवं रसूलाबाद में गंगा तट पर पक्के घाटों के निर्माण हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।